भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

01.04.2026 के

अतारांकित प्रश्न सं. 6087 का उत्तर

रायगंज रेलवे स्टेशन

6087. श्री कार्तिक चन्द्र पॉल:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या उत्तर दिनाजपुर जिले के रायगंज रेलवे स्टेशन को अमृत भारत स्टेशन योजना (एबीएसएस) से बाहर रखा गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) उक्त योजना के तहत स्टेशनों के चयन के लिए सरकार द्वारा अपनाए गए मानदंड क्या हैं;

(ग) क्या रायगंज रेलवे स्टेशन यात्रियों की संख्या, जिला मुख्यालय की स्थिति और क्षेत्रीय संपर्क से संबंधित मापदंडों को पूरा करता है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) उक्त स्टेशन की वर्तमान यात्री वहन क्षमता, यात्रियों की संख्या और राजस्व सृजन और श्रेणी वर्गीकरण का ब्यौरा क्या है;

(ङ) क्या रायगंज स्टेशन को उक्त योजना के तहत शामिल करने के लिए संसद सदस्य, स्थानीय प्रतिनिधियों/रेलवे डिवीजन से प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं और यदि हां, तो उसकी स्थिति क्या है और तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(च) क्या सरकार का विचार रायगंज रेलवे स्टेशन को स्टेशन पुनर्विकास के अगले चरण में शामिल करने अथवा आधुनिक यात्री सुविधाओं, आस-पास के क्षेत्र में सुधार, एस्केलेटर, लिफ्ट और डिजिटल सुविधाओं के साथ एक अलग व्यापक विकास योजना स्वीकृत करने का है और यदि हां, तो इसकी समय-सीमा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (च) पश्चिम बंगाल के उत्तर दिनाजपुर जिले के रायगंज स्टेशन पर उच्च स्तर वाले प्लेटफार्म, प्लेटफार्म शेल्टर, प्रतीक्षालय, पीने का पानी, मूत्रालय, शौचालय, बैठने की व्यवस्था, ऊपरी पैदल पुल आदि जैसी सुविधाएँ उपलब्ध हैं। रायगंज स्टेशन (अनुपनगरीय ग्रेड) एनएसजी-

4 श्रेणी का स्टेशन है। हाल के वर्षों में स्टेशन भवन, प्लेटफार्म शेल्टर, प्लेटफार्म संख्या 1 की ऊँचाई बढ़ाना और विस्तार, प्लेटफार्म संख्या 2 की चौड़ाई बढ़ाना, प्रतीक्षालय में सुधार, प्लेटफार्म संख्या 2 पर शौचालय ब्लॉक, परिचलन क्षेत्र और 6 मीटर के ऊपरी पैदल पुल के कार्य पूरे कर लिए गए हैं।

इसके अलावा, भारतीय रेल में परिचलन क्षेत्र, लिफ्ट, एस्केलेटर आदि सुविधाओं के प्रावधान सहित रेलवे स्टेशनों का विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण सतत और चलायमान प्रक्रिया है और इस संबंध में कार्य सापेक्ष प्राथमिकता और धन की उपलब्धता के अध्यधीन, आवश्यकतानुसार शुरू किए जाते हैं। रेलवे स्टेशनों के विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण कार्य स्टेशन की कोटि/स्थिति/सम्हाले जाने वाले यातायात आदि के आधार पर किए जाते हैं।

रायगंज स्टेशन पर यात्रियों की वार्षिक संख्या वर्ष 2024-25 में 23.88 लाख है और वर्ष 2025-26 (फरवरी 2026 तक) में 23.70 लाख है।

क्षेत्रीय रेलों के लिए खंड-वार राजस्व और स्रोत-वार व्यय का विवरण भारतीय रेल की वेबसाइट पर वार्षिक सांख्यिकीय विवरणों में उपलब्ध है।

रेल मंत्रालय ने दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास हेतु अमृत भारत स्टेशन योजना शुरू की है।

इस योजना में रेलवे स्टेशनों को बेहतर बनाने के लिए मास्टर प्लान तैयार करना और चरणबद्ध रूप में उनका कार्यान्वयन करना शामिल हैं। मास्टर प्लान बनाने में निम्नलिखित शामिल हैं:

- रेलवे स्टेशन और परिचलन क्षेत्रों तक पहुँच में सुधार
- रेलवे स्टेशन का शहर के दोनों तरफ के साथ एकीकरण
- रेलवे स्टेशन भवन में सुधार
- प्रतीक्षालय, शौचालय, बैठने की व्यवस्था, वाटर-बूथों में सुधार
- यात्री यातायात के अनुरूप चौड़े ऊपरी पैदल पुल/एयर कॉन्कोर्स का प्रावधान
- लिफ्ट/एस्केलेटर/रैम्प का प्रावधान
- प्लेटफ़ॉर्म की सतह में सुधार/प्रावधान और प्लेटफ़ॉर्म पर कवर का प्रावधान
- 'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं के माध्यम से स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क का प्रावधान

- पार्किंग क्षेत्र, मल्टीमोडाल एकीकरण
- दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएँ
- बेहतर यात्री सूचना प्रणाली
- प्रत्येक रेलवे स्टेशन पर आवश्यकता को देखते हुए एक्ज़ीक्यूटिव लाउंज, व्यावसायिक बैठकों के लिए निर्दिष्ट स्थान, लैंडस्केपिंग आदि की व्यवस्था।

इस योजना में दीर्घकालिक और पर्यावरण अनुकूल समाधानों, आवश्यकता, चरणबद्धता एवं व्यवहार्यता अनुसार गिट्टी रहित पटरियों की व्यवस्था आदि और दीर्घावधि में रेलवे स्टेशन पर सिटी सेन्टरों के निर्माण की संकल्पना भी की गई है।

अब तक, अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत विकास के लिए 1338 रेलवे स्टेशनों को चिह्नित किया गया है। इनमें से 102 स्टेशन, जिनमें उत्तर दिनाजपुर जिले के अलुआबारी रोड, डालखोला और कालियागंज स्टेशन शामिल हैं, पश्चिम बंगाल में स्थित हैं। पश्चिम बंगाल में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत चिह्नित स्टेशनों के नाम निम्नलिखित हैं:

राज्य	स्टेशनों की संख्या	स्टेशनों के नाम
पश्चिम बंगाल	102	आद्रा, अलीपुरद्वार जं., अलुआबारी रोड, अंबिका कालना, अनारा, अंडाल जं., अंदुल, आसनसोल जं., अजीमगंज, बगनान, बल्ली, बालुरघाट, बंदेल जं., बनगांव जं., बांकुरा, बाराभूम, बारासात, बर्धमान, बैरकपुर, बेल्दा, बरहामपुर कोर्ट, बेथुयादाहारी, भालुका रोड, बिन्नागुड़ी, बिष्णुपुर, बोलपुर शांतिनिकेतन, बर्नपुर, कैनिंग, चंदन नगर, चांदपारा, चंद्रकोना रोड, दलगांव, दलखोला, दनकुनी, धुलियन गंगा, धुपगुड़ी, दीघा, दिनहाटा, दमदम जं., फालाकाटा, गरबेटा, गेडे, हल्दिया, हल्दीबाड़ी, हरिश्चंद्रपुर, हासीमारा, हिजली, हावड़ा जं., जलपाईगुड़ी, जलपाईगुड़ी रोड, जंगीपुर रोड, झालिदा, झारग्राम, जॉयचंडी पहाड़ जं., कालियागंज, कल्याणी, कल्याणी घोषपारा, कामाख्यागुड़ी, कटवा जंक्शन, खगराघाट रोड, खड़गपुर जंक्शन, कोलकाता, कृष्णनगर सिटी जंक्शन, कुमेदपुर जंक्शन, मधुकुंडा, मध्यमग्राम, मालदा कोर्ट, मालदा टाउन, मेचेदा, मेदिनीपुर (मिदनापुर), नवद्वीप धाम, नैहाटी जंक्शन, न्यू अलीपुरद्वार, न्यू कूच बिहार, न्यू फरक्का जंक्शन, न्यू जलपाईगुड़ी जंक्शन, न्यू माल जंक्शन, ओंडाग्राम, पानागढ़,

राज्य	स्टेशनों की संख्या	स्टेशनों के नाम
		पांडबेश्वर, पंसकुरा जंक्शन, पुरुलिया जंक्शन, रामपुरहाट जंक्शन, राणाघाट, सैंथिया जंक्शन, सालबोनी, समसी, सांतरागाछी, सियालदह, शालीमार, शांतिपुर, श्योरफुली जंक्शन, श्रीरामपुर, सिलीगुड़ी जंक्शन, सीतारामपुर, सिउरी, सोनारपुर जंक्शन, सुईसा, तामलुक, तारकेश्वर, तुलिन, उलुबेरिया

<u>स्टेशन जहां कार्य पूर्ण किया गया:</u>

पश्चिम बंगाल में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत रेलवे स्टेशनों पर विकास कार्य अच्छी गति से शुरू किए गए हैं। अब तक, 10 स्टेशनों के कार्य पूरे हो चुके हैं। पश्चिम बंगाल के स्टेशन जहां कार्य पूरे हो गए हैं:

राज्य	स्टेशनों की संख्या	स्टेशनों के नाम
पश्चिम बंगाल	10	अनारा, बाराभूम, हल्दिया, हल्दीबाड़ी, जॉयचंडी पहाड़ जं, कल्याणी घोषपाड़ा, कामाख्यागुड़ी, पानागढ़, सिउरी, तामलुक

अन्य स्टेशनों पर भी विकास कार्य तीव्र गति से शुरू किए गए हैं और कुछ स्टेशनों पर कार्यों की प्रगति निम्नानुसार है:

- अलुआबारी रोड स्टेशन: प्लेटफॉर्म नंबर 2 के विस्तार, प्लेटफॉर्म नंबर 1 और 2 पर प्लेटफॉर्म की सतह की मरम्मत, पहुँच सड़क और बाउंड्री दीवार के कार्य पूरे कर लिए गए हैं। स्टेशन भवन, प्लेटफॉर्म शेल्टर और 12 मीटर ऊपरी पैदल पुल के कार्य शुरू कर दिए गए हैं।

- बालुरघाट स्टेशन: स्टेशन भवन, पोर्टिको, प्लेटफॉर्म का विस्तार, प्रतीक्षा कक्ष, परिचलन क्षेत्र और पहुंच मार्ग का सुधार कार्य पूरा किया जा चुका है। लिफ्ट और 12 मीटर ऊपरी पैदल पुल का कार्य शुरू हो गया है।

- **डालखोला स्टेशन: प्लेटफॉर्म सतह की मरम्मत, प्लेटफॉर्म शेल्टर और 12 मीटर ऊपरी पैदल पुल के कार्य पूरे हो चुके हैं। परिचलन क्षेत्र, प्रवेश मार्ग और लिफ्ट के कार्य शुरू किए गए हैं।**

- **जलपाईगुड़ी स्टेशन: प्लेटफॉर्म संख्या 1 का विस्तार और प्लेटफॉर्म सतह का कार्य, प्लेटफॉर्म शेल्टर, चाहरदीवारी और 12 मीटर ऊपरी पैदल पुल का कार्य पूरा हो गया है। परिचलन क्षेत्र, लिफ्ट और एस्केलेटर का कार्य शुरू हो गया है।**

- **कालियागंज स्टेशन: प्लेटफॉर्म नंबर 1 की ऊँचाई और विस्तार करने का कार्य, प्लेटफॉर्म नंबर 2 पर प्लेटफॉर्म की सतह में सुधार, प्लेटफॉर्म नंबर 2 पर शेल्टर, प्लेटफॉर्म नंबर 1 पर शौचालय ब्लॉक और 12 मीटर ऊपरी पैदल पुल के कार्य पूरे हो चुके हैं। स्टेशन भवन, परिचलन क्षेत्र, चाहरदीवारी और लिफ्ट में सुधार के कार्य शुरू कर दिए गए हैं।**

स्टेशनों का चयन क्षेत्रीय रेलों से प्राप्त प्रस्तावों, मुख्य शहरों में स्थित स्टेशनों और पर्यटन तथा तीर्थस्थानों के महत्व वाले स्थानों के आधार पर किया जाता है।

राज्य सरकारों, संसद सदस्यों, केंद्र सरकार के मंत्रालयों, निर्वाचित प्रतिनिधियों, रेलवे की अपनी आवश्यकताओं, संगठनों/रेल उपयोगकर्ताओं आदि से रेलवे बोर्ड, क्षेत्रीय रेलों, मंडल कार्यालय आदि सहित विभिन्न स्तरों पर, देश भर में औपचारिक और अनौपचारिक दोनों प्रकार के रेल परियोजनाओं/कार्यों को शुरू करने हेतु प्रस्ताव/अनुरोध/सुझाव/अभ्यावेदन प्राप्त होते हैं। चूंकि ऐसे सुझावों/अभ्यावेदनों की प्राप्ति एक सतत और गतिशील प्रक्रिया है, इनकी जांच की जाती है और समय-समय पर व्यवहार्य और उचित पाए जाने पर इस संबंध में कार्रवाई की जाती है।

रेलवे स्टेशनों का विकास/उन्नयन जटिल स्वरूप का होता है जिसमें यात्रियों और रेलगाड़ियों की संरक्षा शामिल होती है और इसके लिए दमकल विभाग की स्वीकृति, धरोहर, पेड़ों की कटाई, विमानपत्तन संबंधी स्वीकृति इत्यादि जैसी विभिन्न सांविधिक स्वीकृतियों की आवश्यकता होती है। इनकी प्रगति जनोपयोगी सेवाओं को स्थानांतरित करना (जिनमें जल/सीवेज लाइन, ऑप्टिकल फाइबर केबल, गैस पाइप लाइन, पावर/सिगनल केबल इत्यादि शामिल हैं) अतिलंघन, यात्री संचलन को बाधित किए बिना रेलगाड़ियों का परिचालन, रेलपथ एवं उच्च वोल्टेज बिजली लाइनों के नजदीक किए जाने वाले कार्यों के कारण गति प्रतिबंध आदि के कारण भी प्रभावित होती है और ये कारक कार्य के समापन समय को प्रभावित करते हैं।

अमृत भारत स्टेशन योजना सहित रेलवे स्टेशनों के विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण का वित्तपोषण सामान्यतः योजना शीर्ष-53 'ग्राहक सुविधाएँ' के अंतर्गत किया जाता है। योजना शीर्ष-53 के अंतर्गत आबंटन और व्यय का ब्यौरा क्षेत्रीय रेल-वार रखा जाता है, न कि कार्य-वार या रेलवे स्टेशन-वार या राज्य-वार। पश्चिम बंगाल राज्य चार क्षेत्रीय रेलों अर्थात पूर्व रेलवे, पूर्वोत्तर सीमा रेलवे, दक्षिण पूर्व रेलवे और मेट्रो रेलवे के क्षेत्राधिकार में आता है। इन क्षेत्रीय रेलों को वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 1,184 करोड़ रुपए (संशोधित अनुमान) आबंटित किए गए हैं। जिसमे से (फरवरी, 2026 तक) 1,231 करोड़ रुपए का व्यय उपगत किया गया है।

******